



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—ठप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 635]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 21, 2001/अग्रहायण 30, 1923

No. 635]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 21, 2001/AGRAHAYANA 30, 1923

विषि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2001

सा. का. नि. 913(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (विद्युत उद्योग) नियम, 2001 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. लागू होना - ये नियम ऐसी प्रत्येक कंपनी को लागू होंगे जो निम्नलिखित क्रिया कलापों में से किसी में लगी हुई है, अर्थात् -
(1) (क) तापीय शक्ति
(ख) गैस टरबाईन
(ग) जल विद्युत शक्ति
(घ) परमाणु शक्ति
(ङ) सौर शक्ति
(च) पवन शक्ति
(छ) ऊर्जा के किसी अन्य स्रोत,

से विद्युत का उत्पादन ;

(2) विद्युत का पारेषण और प्रपुज प्रदाय ;

(3) विद्युत का वितरण और खुदरा प्रदाय ;

परंतु ये नियम किसी ऐसी कंपनी को लागू नहीं होंगे, -

(क) जिसमें संस्थापित मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के उपबंधों के अधीन किसी लघु औद्योगिक उपक्रम के लिए यथाविनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं है, और

(ख) कंपनी के, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान इसके सभी उत्पादों या क्रिया कलापों के विक्रय या प्रदाय से, आवर्त का कुल मूल्य दस करोड़ रुपए से अधिक नहीं है।

3. अभिलेखों का रख-रखाव

(1) ऐसी प्रत्येक कंपनी, जिसे ये नियम लागू होते हैं, इन नियमों के प्रारंभ को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले अपने प्रत्येक वित्तीय वर्ष की आबत सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के संबंध में, जहाँ तक ये नियम 2 में निर्दिष्ट क्रियाकलापों में से किसी को लागू होते हैं, उद्यित लेखा बहिया रखेगी, इस प्रकार रखी गई लेखा बहियों में, अन्य बातों के साथ- साथ, इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां और उक्त अनुसूची में उल्लिखित प्रोफार्मा क, ख, ग, घ और च होंगे:

परंतु यदि उक्त कंपनी किसी अन्य उत्पाद (उत्पादों) के विनिर्माण में लगी हुई है या विद्युत के उत्पादन, पारेषण, वितरण और आपूर्ति के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलापों में लगी हुई है, तो ऐसी सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग से संबंधित विशिष्टियां जहाँ तक ये ऐसे अन्य उत्पादों या क्रियाकलापों को लागू हैं, नियम 2 में निर्दिष्ट क्रियाकलापों की लागत में सम्मिलित नहीं की जाएंगी।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट लेखा बहिया नियमित रूप से ऐसी रीति में रखी जाएंगी ताकि उनमें दर्ज की गई विशिष्टियों से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में नियम 2 में निर्दिष्ट प्रत्येक क्रिया कलाप की लागत को संगणित किया जाना संभव हो सके। ऐसी प्रत्येक लेखा बही और उक्त अनुसूची -1 में विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा, कंपनी के उस वित्तीय वर्ष की, जिससे उनका संबंध है, समाप्ति से नब्बे दिन के अपश्चात् पूरे कर लिए जाएंगे।

(3) सांख्यिकीय और अभिलेख, इन नियमों की अनुसूची के उपबंधों के अनुसार ऐसी रीति में रखे जाएंगे जिससे कंपनी, जहाँ तक संभव हो सके, लागतों में अधिकतम मितव्ययिता प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न प्रदालनों और लागतों पर नियंत्रण रखने में समर्थ हो सके। इन अभिलेखों में समय समय पर यथा संशोधित लागत लेखा परीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 1996 में निर्दिष्ट सभी प्रश्नों पर युक्तियुक्त रूप से रिपोर्ट देने के लिए लागत लेखा परीक्षक द्वारा अपेक्षित आवश्यक आंकड़े दिए जाएंगे।

(4) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (6) और उपधारा (7) में निर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह कंपनी द्वारा इस नियम के उपनियम (1), उपनियम (2) और उपनियम (3) के उपबंधों का उस रीति से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी युक्ति युक्त कदम उठाए जिस रीति से वह उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के अधीन अपेक्षित लेखाओं को रखने के लिए उत्तरदायी है।

4. शास्ति - यदि कोई कंपनी नियम 3 के उपर्योगों का उल्लंघन करती है तो कंपनी और उसका प्रत्येक अधिकारी जो व्यतिक्रम करता है जिसके अंतर्गत वे व्यक्ति भी हैं, जो नियम 3 के उपनियम (4) में निर्दिष्ट हैं, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 के उपर्योगों के अधीन रहते हुए, जुर्माने से, जो पांच हजार रुपए तक हो सकेगा, और जहां उल्लंघन जारी रहता है वहां अतिरिक्त जुर्माने से, जो कि प्रथम दिन के पश्चात् प्रत्येक ऐसे दिन के लिए, जिसके दौरान ऐसा उल्लंघन जारी रहता है, पांच सौ रुपए तक हो सकेगा, दंडनीय होगा ।

अनुसूची

(नियम 3 देखिए)

1. सामग्री -

(1) सभी प्रमुख ईधनों जैसे कोयला, लिगनाइट, गैस, नैफ्था, खोई की और उनके तापजनक मूल्यों तथा विद्युत के उत्पादन, पारेषण, वितरण और प्रदाय में प्रयुक्त अन्य सामग्री की मात्रा और मूल्य दोनों में सभी प्राप्तियों, निर्गमों और अतिशेषों को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । ऐसे अभिलेखों में ऐसे ब्लौरें दिए जाएंगे जिनसे कि कंपनी, ऐसी सभी कच्ची सामग्री की प्रत्येक मद की मात्रा और उसके मूल्य में प्राप्तियों (जिनके अंतर्गत मुख्य सामग्री/ईधनों की बाबत संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार हैं), निर्गमों और अतिशेषों को अवधारित कर सके । वह आधार जिस पर उक्त निर्गम और उपभोग की लागत की संगणना की गई है, लागत अभिलेख में उपदर्शित किया जाएगा और उसका समनुरूपतः अनुसरण किया जाएगा । उन अभिलेखों में लदाई और उत्तराई, परिवहन, हथालना, ग्राइडिंग के लिए मात्रा और उस पर उपगत व्यय तथा अन्य प्रभार उपदर्शित किए गए हैं । परिवहन के विभिन्न ढंगों द्वारा सङ्क, जैसे वाहक, रेल, पाइपलाइन, रेजिमार्ग आदि द्वारा सामग्री के परिवहन की मात्रा और उसकी लागत पृथक रूप से उपदर्शित की जाएंगी । आयातित सामग्री ईधनों की दशा में प्रत्येक मद की बाबत मात्रा और मूल्य के समुचित अभिलेख रखे जाएंगे जिनमें पोत पर्यन्त मूल्य, समुद्र पार का भाड़ा, बीमा, सीमाशुल्क, और अंतर्राष्ट्रीय भाड़ा प्रभारों को दर्शित किया जाएगा । यदि स्वदेशी और आयातित दोनों सामग्रियों का उपयोग किया जाता है तो प्रत्येक मद के लिए उनके मिश्रित किए जाने की प्रतिशतता को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । आयाति सामग्री की दशा में अनुज्ञाप्ति वार अनुज्ञात मात्रा, आयातित वास्तविक मात्रा, उपयोग की गई वास्तविक मात्रा, स्टाक में मात्रा और वह मात्रा जिसे अनुज्ञाप्ति मात्रा में से अभी आयात किया जाना है, को दर्शित करते हुए, समुचित अभिलेख रखे जाएंगे ।

(2) जहां कोयला, लिगनाइट आदि जैसी किसी सामग्री का उपयोग ऐसी खानों से किया जाता है, जो कंपनी के या उसकी पूर्णरूप से स्वामित्वाधीन अनुषंगी कंपनी के स्वामित्वाधीन हैं या उसने पट्टे पर ली हैं वहां ऐसी सामग्री को एकत्रित करने की लागत को दर्शित करते हुए पृथक अभिलेख ऐसे ब्लौरों के साथ रखे जाएंगे जिससे कंपनी प्रोफार्मा 'ख'या ऐसे किसी प्रोफार्मा में जो उसके लिए व्यवहार्य हो, विशिष्टियां भरने में समर्थ हो सकें ।

(3) नियम 2 में निर्दिष्ट किसी क्रिया कलाप के लिए अपेक्षित खपने वाले सामान, (स्टेशन स्टोर) छोटे औजार और अन्य सामग्री की प्रत्येक मद की मात्रा और मूल्य दोनों में प्राप्तियों, निर्गमों और अतिशेषों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । इस प्रकार दर्शित मूल्य के अंतर्गत, जब भी विनिर्दिष्ट रूप से उपगत हों, संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित होंगे । खपने वाले सामान की दशा में, जिनका मूल्य भवत्वपूर्ण नहीं है, कंपनी, यदि कंपनी आहे तो ऐसी मदों के मुख्य समूह के लिए ऐसे अभिलेख रख सकेगी । खपने वाले सामान और विद्युत प्रणाली के लिए खप गए सामान का मूल्य अभिलेखों के सुसंगत शीर्ष के अधीन प्रभारित होगा ।

(4) अभियहन, भंडारण, प्रचालन या किसी अन्य प्रकर्म पर निवेश सामग्री/ईंधनों और खपने वाले सामान के अपशिष्टों, रद्दी, अस्वीकरणों और हानियों की मात्रा और मूल्य को दर्शित करने वाले उचित अभिलेख रखे जाएंगे । क्रियाकलापों की लागत अवधारित करने में उपरोक्त हानियों तथा रद्दी सहित, यदि कोई हो, अस्वीकृत या अपशिष्ट सामग्री के व्यवहन से प्राप्त आय के समायोजन के लिए अनुसरित किए जाने वाला ढंग लागत अभिलेख में उपदर्शित किया जाएगा ।

(5) ऐसी सामग्री के मूल्य को जो सूची के प्रभावी नियंत्रण के लिए 12 मास से अधिक समय से नहीं हटाई गई है, उपदर्शित करने के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे ।

(6) जहां केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर (सैनवेट) के अधीन कोई मुजरा या सैनवैट मुजरे की प्रकृति के कोई अन्य फायदे, सामग्री और/या खपने वाले सामान या पुर्जों की किसी मद पर प्राप्त किए जाते हैं या प्राप्त किए जाने योग्य हैं वहां ऐसी सामग्री और/या खपने वाले सामान /पुर्जों की लागत ऐसे मुजरे या फायदों को समायोजित करने के पश्चात् दर्शित किए जाएंगे ।

2. वेतन और मजदूरी :

(1) कार्यवार या क्रियाकलाप वार सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके उपार्जनों तथा उस कार्य को जिसमें वे नियोजित किए गए हैं, उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । ऐसे प्रत्येक कृत्य या क्रियाकलाप के लिए पृथक् रूप से निम्नलिखित भी अभिलेख में उपदर्शित किए जाएंगे :—

- (क) मात्रानुपाती दर पर मजदूरी (जहां लागू हो) ;
- (ख) प्रोत्साहन मजदूरी चाहे व्यष्टिक या सामूहिक रूप से उत्पादन बोनस के रूप में या उत्पादन पर आधारित किसी अन्य स्कीम के अधीन हो ;
- (ग) अतिकालिक मजदूरी ;
- (घ) नेभित्तिक या संविदाजात श्रमिकों के उपार्जन ;
- (ङ) बोनस या उपदान, कानूनी तथा अन्य ;
- (च) अधिवर्षिता स्कीम में अभिदाय ; और

(८) ऊपर (क) से (च) में विनिर्दिष्ट प्रकृति का कोई अन्य उपार्जन ।

(2) अभिलेख ऐसी रीति से रखे जाएंगे कि कंपनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के प्रोफार्मा क, ख, ग, घ, झ और च में इस शीर्ष के अधीन आवश्यक विशिष्टियां दे सके । इन व्ययों को अभिलेख बहियों में, कृत्यवार या क्रियाकलाप वार दर्शित करते हुए अभिलेख रखे जा सकेंगे । जहां कर्मचारी ऐसी रीति से काम करते हैं कि उनकी पहचान किसी विनिर्दिष्ट कृत्य या क्रियाकलाप से करनी संभव न हो वहां कर्मचारियों की लागत को कृत्यों या क्रियाकलापों में साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और उन्हें समरूपतः लागू किया जाएगा ।

(3) ग्राहकों से बैंकिंग डाउन मांग के कारण् से भिन्न खाली श्रम लागत को वर्गीकृत शीर्षकों के अधीन उसके लिए जो कारण हैं जिन्हें उपदर्शित करते हुए पृथकतः अभिलिखित किया जाएगा । खाली समय के संदाय का लेखा रखने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति को लागत अभिलेख में दर्शित किया जाएगा ।

(4) पूँजी संकर्म, जैसे संयंत्र और मशीनरी, भवन में संवर्धन या अन्य स्थिर आस्तियों को आंबंटनीय किर्ही मजदूरियों और वेतनों का लेखा सुसंगत पूँजी शीर्ष के अधीन दिया जाएगा । इसी प्रकार आस्थगित राजस्व व्यय की प्रकृति के संदायों को पृथक् वर्गीकृत शीर्षकों के अधीन पृथक् रूप से लेखबद्ध किया जाएगा जिसमें इसके कारणों को दर्शित किया जाएगा । उत्पाद की लागत का अवधारण करने में ऐसे संदायों की गणना करने के लिए अनुसरित किया जाने वाला तरीका साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर होगा तथा उसे समरूपतः लागू किया जाएगा । उक्त तरीका लागत अभिलेखों में भी प्रकट किया जाएगा ।

(5) कर्मचारियों को संदेय सेवा निवृति के फायदों की लागत पृथक् शीर्ष के अधीन अभिलिखित की जाएगी । उत्पादित, पारेषित या यितरित की गई विद्युत की लागत का अवधारण करने में ऐसी लागत के लिए अपनाई गई पद्धति साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर होगी, समरूपतः लागू होगी तथा पृथक् रूप से उसे प्रकट किया जाएगा । स्वैच्छिक सेवा निवृति स्कीम के संबंध में उपबंधित केवल सेवा निवृति के फायदों को ही, जो सामान्य सेवा निवृति फायदों के अतिरिक्त संदेय हैं और जिनके भविष्य में लागत में बदलतों के निवृधनों के अनुसार दिए जाने की संभावना है, पांच वर्ष से अनधिक की अवधि के लिए आस्थगित राज्य व्यय के रूप में माना जाएगा । ये लागत वेतनों और मजदूरियों के भाग नहीं होंगी और इनको पृथक् रूप से दर्शित किया जाएगा ऐसी लागतों को तालिकाओं के मूल्यांकन से अपवर्जित किया जाएगा क्योंकि ये व्यय उन तालिकाओं को उनके वर्तमान स्थिति और दशा में रखने के परिणामस्वरूप नहीं हैं ।

3. सेवा विभाग व्यय :

प्रत्येक सेवा विभाग या कृत्य जैसे प्रयोगशाला, कल्याणकारी उपाय, सुरक्षा उपकरण, परिवहन, औषधालय, स्कूल, क्रैंप, नगरी आदि की बाबत उपग्रह व्ययों को उपदर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । ये व्यय अन्य सेवाओं और विद्युत क्रियाकलापों को साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और समरूपतः लागू किए जाएंगे । जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों या क्रियाकलापों के लिए

भी किया जाता है वहाँ ऐसे व्यारों के अन्य उत्पादों या क्रियाकलापों के बीच प्रभाजन का आधार साम्यापूर्ण होगा और अभिलेखों में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा ।

4. उपयोगिताएँ :

(1) निर्देशाधीन क्रियाकलापों के लिए कंपनी द्वारा जल संग्रहण, जलउपचार, राख के प्रबंध, बहिस्त्राव उपचार आदि की मात्रा और लागत दर्शाते हुए समुचित अभिलेख रखा जाएगा ।

(2) प्रत्येक उपयोगिता के लिए लागत विवरण पृथक रूप से प्रोफार्मा ‘क’ में रखे जाएंगे ।

5. कार्यशाला या मरम्मत और अनुरक्षण या औजार कक्ष :

(1) कार्यशाला या औजार कक्ष द्वारा विभिन्न शीर्षों के अधीन उपगत व्यय और मरम्मत तथा अनुरक्षण पर हुए व्यय को कृत्य वार या क्रिया कलाप वार दर्शाने वाला उचित अभिलेख रखा जाएगा । अनुसूचित /वार्षिक अनुरक्षण पर उपगत रकम निवारक अनुरक्षण शीर्ष के अधीन पृथक रूप से अभिलेखित की जाएगी । अभिलेखों में भिन्न-भिन्न क्रिया कलापों पर कार्यशाला या औजारकक्ष या मरम्मत और अनुरक्षण व्यय के प्रभारण का आधार भी उपदर्शित किया जाएगा । जहाँ अनुरक्षण कार्य किसी उत्पादन, पारेषण, वितरण और आपूर्ति विभाग के कर्मकारों द्वारा सीधे किया जाता है वहाँ ऐसे कर्मकारों की मजदूरी और वेतन, संबंधित कृत्य या विभाग के प्रत्यक्ष व्यय माने जाएंगे । यदि सेवाओं का अन्य उत्पादों या क्रिया कलापों के लिए भी उपभोग किया जाता है तो ऐसे उत्पादों या क्रियाकलापों पर अंश के प्रभारण की रीति साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होगी और उसे समरूपतः लागू किया जाएगा ।

(2) उक्त अभिलेखों में ऐसी मदों का वर्णन करते हुए जिन्हें छाँदीस मास से अधिक की अवधि तक हटाया नहीं गया है, ऐसे सामान और पुजारी की अंतिम सूची की रकम और उसके प्रभाजन को उपदर्शित किया जाएगा ।

(3) ऐसी मुख्य मरम्मत कार्य पर व्यय, जिसके एक से अधिक वित्तीय वर्षों में फायदा प्रोद्भूत होने की संभावना है, फायदा के लिए आशयित अवधि के ऊपर युक्तियुक्त और साम्यापूर्ण आधार पर आवंटित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा । ऐसी लागत पृथक् रूप से दर्शायी जाएगी और ऐसी लागतों की लेखा पद्धति और आवंटन के आधार को भी लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा ।

(4) निश्चित आस्तियाँ और अवक्षयण

(1) निर्देशाधीन प्रत्येक क्रियाकलाप के लिए जिसकी बाबत अवक्षयण के लिए उपबंध किया जाना है, प्रयुक्त आस्तियों के लिए समुचित और पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे । इन अभिलेखों में, अन्य वातों के साथ साथ स्थापन प्रभार, अर्जन की तारीख और अवक्षयण की दर, सहित आस्तियों के प्रत्येक मद के अर्जन की लागत उपदर्शित की जाएंगी ।

(2) ऐसे सभी अभिलेख जो निर्देशाधीन क्रियाकलापों के उत्पादन के लिए नियोजित कुल नियत आस्तियों, उस वर्ष तक संचयित अवक्षयण और उक्त शीर्षों के अधीन आस्तियों, भूमि और भवन,

संयंत्र और मशीनरी, फर्नीचर और फिक्सचर आदि की पहचान करने में और/या उन्हें आंबटित करने में समर्थ बनाए तथा अवक्षयण की पद्धति और आधार की पहचान करने में समर्थ बनाए, रखे जाएंगे । निर्देशाधीन उत्पाद (उत्पादों) की सामान्य आस्तियों के प्रभाजन का आधार भी उपदर्शित किया जाएगा । आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन की दशा में, उसे पृथक रूप से उपदर्शित किया जाएगा । निर्देशाधीन उत्पादों की अप्रत्यक्ष आस्तियों के आबंटन का आधार साम्यापूर्ण और युक्ति-युक्त होगा और समरूपतः लागू किया जाएगा ।

(3) वह आधार जिस पर अवक्षयण की संगणना की जाती है और विभिन्न लागत केन्द्रों या क्रिया कलाप को आंबटित या प्रभाजित किया जाता है तथा ऐसे क्रियाकलापों में आमेलित किया जाता है, लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा । यदि लागत केन्द्रों या विभागों पर प्रभारित या प्रभारणीय अवक्षयण विहित अवक्षयण से अधिक या कम है और यथास्थिति विद्युत (प्रदाय) अधिनियम 1948 के अधीन या कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 205 की उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन कंपनी को लागू होती है तो ऐसी अधिक या कम अवक्षयण की रकम लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी । लागत अभिलेखों में क्रियाकलाप की प्रतियूनिट लागत पर, यथास्थिति, ऐसे अधिक या कम अवक्षयण के प्रभाव को भी दर्शित किया जाएगा तथापि, आस्तियों की किसी व्यष्टिक भद्र के सामने लागत अभिलेखों में प्रभारित संचयी अवक्षयण संबंधित आस्ति की मूल लागत से अधिक नहीं होगा ।

7. पट्टे के प्रभार

पट्टे की व्यवस्थाओं की दशा में, निबंधनों और शतौं, संदत्त या संदेय तथा प्राप्त या प्राप्त किए जाने योग्य पट्टे के प्रभारों के द्वारा को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखा जाएगा ।

8. अन्य उपरिव्यय :

(1) निर्देशाधीन क्रियाकलापों के लिए अन्य उपरिव्ययों को समाविष्ट करने वाले व्ययों की विभिन्न मध्यों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । निर्देशाधीन प्रत्येक क्रियाकलाप के लिए इन व्ययों को कृत्यों अर्थात् प्रथालन, प्रशासन और विक्रय के अनुसार विश्लेषित, वर्गीकृत और समूहित किया जाएगा ।

(2) जहाँ कंपनी निर्देशाधीन उत्पाद या क्रियाकलाप से भिन्न किसी अन्य उत्पाद के विनिर्माण में लगी हुई है, वहाँ अभिलेख स्पष्ट रूप से वह आधार उपदर्शित करेंगे जिसका सम्मिलित उपरिव्ययों, जिनके अंतर्गत कंपनी के प्रधान कार्यालय के ऐसे उत्पादों और विद्युत क्रियाकलाप के संबंध में, जिसके अंतर्गत पूजी संकर्म हैं, व्यय के प्रभाजन के लिए अनुसरण किया गया है । जहाँ उपरिव्यय में सम्मिलित करिपय व्ययों की पहचान किसी विशिष्ट क्रियाकलाप या उत्पाद के रूप में स्थापित की जा सकती है तो ऐसे व्ययों को पहले पृथक् कर दिया जाएगा और यह सुसंगत क्रियाकलाप या उत्पाद पर प्रभारित किया जाएगा और उसके पश्चात् उपरिव्ययों के उपरोक्त प्रवर्ग के अधीन अवशेष व्यय युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और इसे

समरूपतः लागू किया जाएगा । पूर्जीगत संकर्मों पर प्रभाजित उपरिव्यय लागत अभिलेखों में पृथक् रूप से दर्शित किए जाएंगे । लागत अभिलेखों में लागत केंद्रों या क्रियाकलापों तथा उत्पादों पर उपरिव्ययों के प्रभाजन और आमेलन का आधार उपदर्शित किया जाएगा । अभिलेख ऐसी रीति में रखे जाएंगे जिससे कि प्रचालन, प्रशासन, और विक्रय संबंधी उपरिव्ययों के ब्यौरे उपदर्शित हो सकें ।

9. स्वामिस्व या तकनीकी व्यावहारिक ज्ञान फीस :

सहयोगकर्ताओं या प्रौद्योगिकी प्रदायकर्ताओं को, निर्देशाधीन क्रियाकलापों के लिए उनके साथ किए गए करारों के निबंधनों के अनुसार दिए गए स्वामिस्व और/या तकनीकी व्यावहारिक ज्ञान फीस सहित इसी प्रकार के अन्य आवर्ती या अनावर्ती संदाय को दर्शित करने वाले पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे । ऐसे अभिलेख ऐसे प्रत्येक सहयोगकर्ता या प्रदायकर्ता के संबंध में अलग-अलग रखे जाएंगे । ऐसी स्वामिस्व की रकमों को, जिनके अंतर्गत एक मुश्त संदाय भी है, प्रभारित करने का आधार लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा ।

10. अनुसंधान और विकास व्यय :

(1) कंपनी द्वारा, इन नियमों के अधीन आने वाले क्रियाकलापों के अनुसंधान और विकास कार्य के लिए उपगत व्यय के, यदि कोई हो, ब्यौरे दर्शित करने वाले उथित अभिलेख पृथक् रूप से रखे जाएंगे ।

(2) निर्देशाधीन क्रियाकलापों और अन्य सभी उत्पादों या क्रियाकलापों की लागत पर इन व्ययों के प्रमारण की शुद्धति लागत अभिलेखों में दर्शित की जाएगी । जहां ऐसे अनुसंधान और विकास कार्य की उपयोगिता एक से अधिक वित्तीय वर्षों पर विस्तृत होती है वहां ऐसे व्यय स्थगित राजस्व व्यय समझे जाएंगे और निर्देशाधीन क्रियाकलापों और अन्य सभी उत्पादों, यदि कोई हो, की लागत पर युक्तियुक्त आधार पर प्रभारित किए जाएंगे और समरूपतः लागू होंगे । ऐसे विस्तृत मानदंडों को जिन पर इन व्ययों की उपयोगिता की अवधि को एक वित्तीय वर्ष से अधिक के लिए विस्तृत करने का विनिश्चय किया गया है, लागत अभिलेखों में प्रकट किया जाएगा । ऐसे मामलों में निम्नलिखित मानदंडों को, जो केवल संकेतात्मक हैं न कि सर्वांगीण, अंगीकार किया जा सकेगा :—

(i) उत्पादन या प्रसंस्करण स्पष्टतः परिभाषित किया जाता है और उस उत्पादन या प्रसंस्करण से तात्पर्यित लागतों को पृथक् रूप से सुनिश्चित किया जा सकता है ;

(ii) उत्पादन या प्रसंस्करण की तकनीकी व्यवहार्यता को प्रदर्शित किया गया है ;

(iii) उद्यम के प्रबंध मंडल ने उक्त उत्पादन या प्रसंस्करण को उत्पादित करने और विपणन करने या उसका उपयोग करने के आशय का संकेत दे दिया है ;

(iv) इस बारे में युक्तियुक्त उपदर्शन है कि प्रत्याशित उत्पादन, प्रशासन और विक्रय लागत के साथ परियोजना पर उपगत होने वाली चालू और भविष्य के अनुसंधान और विकास की लागतों का संबंधित भविष्य के राजस्व या फायदों के अंतर्गत आने वाली लागतों से अधिक होने की संभावना है ; और

(v) पर्याप्त संसाधन विद्यमान हैं या परियोजना को पूरा करने और उक्त उत्पादने या प्रसंस्करण के

लिए उनके उपलब्ध होने की युक्तियुक्त रूप से संभावना है ;

(3) बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास विभाग द्वारा उपगत व्यय पृथक् रूप से अभिलेखित किया जाएगा और निर्देशाधीन क्रियाकलापों की लागत में से अपवर्जित किया जाएगा । बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने से प्राप्त राशि को भी पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा और निर्देशाधीन उत्पादों या क्रियाकलापों के विक्रय से होने वाली आय में से अपवर्जित किया जाएगा ।

11. ब्याज :

प्रत्येक परियोजना और/या कामकाज पूँजी के लिए उधार लिए गए धन के लिए और उस पर संदत्त ब्याज प्रभारों के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । इन नियमों के अंतर्गत आने वाले क्रियाकलापों और अन्य क्रियाकलापों पर ब्याज की रकम युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर आवंटित या प्रभाजित की जाएगी और उसे समरूपतः लागू किया जाएगा । ऐसे क्रियाकलापों की विभिन्न किस्मों पर ब्याज का अंश और प्रभाजित करने के आधार भी साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त होंगे और उन्हें समरूपतः लागू किया जाएगा । ऐसे आवंटन या प्रभाजन का आधार लागत अभिलेख या विवरण में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा । निष्पादनाधीन परियोजनाओं के लिए उधार लिए गए धन या उपरिव्ययों पर उपगत कुल ब्याज परियोजना के अस्तित्व में आने की तारीख और वाणिज्यिक क्रियाकलापों के प्रारंभ की तारीख की अवधि के लिए पूँजी में परणित कर दी जाएगी ।

12. निर्यात व्यय या प्रोत्साहन :

निर्देशाधीन उत्पादों या सेवाओं के निर्यात विक्रय पर उपगत व्ययों को, यदि कोई हों, दर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख पृथक् रूप से इस प्रकार रखे जाएंगे ताकि निर्यात विक्रय की लागत सही रूप से अवधारित की जा सके । निर्यात की गई विद्युत के लिए लागत विवरण पृथकतः तैयार किए जाएंगे जिसमें उपगत निर्यात व्ययों या अर्जित प्रोत्साहनों का ब्लौरा दिया जाएगा । यदि निवेश सामग्री का निःशुल्क निर्यात किया गया है तो यह तथ्य लागत विवरणों में व्यक्त किया जाना चाहिए ।

13. लागत विवरण :

(1) चालू वित्तीय वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की स्थापित क्षमता, उत्पादन, अधिकतम भार और लागत के सभी तत्वों के ब्लौरे दर्शाने वाला लागत विवरण प्रोफार्मा क, ख, ग, घ, झ और च में निर्देशाधीन प्रत्येक प्रक्रिया और/या क्रियाकलाप के लिए तैयार किया जाएगा ।

(2) उस क्रियाकलाप का, जो ऐसे प्रसंस्करण से उत्पन्न हुआ है और जो पश्चात् वर्ती प्रसंस्करण के लिए निवेश है, मूल्यांकन पूर्ववर्ती स्थिति तक उत्पादन की लागत पर किया जाएगा ।

(3) यदि कंपनी एक से अधिक संयंत्र या कारखाने घला रही है तो प्रत्येक संयंत्र या कारखाने के लिए ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में पृथक् लागत विवरण तैयार किए जाएंगे ।

14. उत्पादन अभिलेख :

विद्युत के उत्पादन, पारेषण, वितरण और प्रदाय से संबंधित प्रत्येक क्रियाकलाप के मात्रात्मक अभिलेख रखे जाएंगे । उत्पादन के बैंकिंग डाउन और ऊर्जा के दिव्यारिवर्तन (डी ओई) प्राप्ति के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे ।

15. लागत और वित्तीय लेखाओं का मिलान :

(1) लागत विवरणों का वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों के साथ लागत अभिलेख या विवरण में विचार नहीं किए गए व्ययों या आयों को विनिर्दिष्ट रूप से उपदर्शित करते हुए इस प्रकार मिलान किया जाएगा जिससे उनकी शुद्धता निश्चित की जा सके और कंपनी के संपूर्ण लाभों में से निर्देशाधीन क्रियाकलापों के लाभ का न्याय निर्णयन किया जा सके । परिवर्तन, यदि कोई हो, स्पष्ट रूप से उपदर्शित किए जाएंगे और उनका स्पष्टीकरण दिया जाएगा ।

(2) कंपनी द्वारा विभिन्न लेखाशीर्षों के अधीन उपगत सभी व्यय और प्राप्त आय और अन्य क्रियाकलापों या सेवाओं को लागू अंश, दर्शाने वाला एक विवरण तैयार किया जाएगा और उसका वित्तीय विवरणों के साथ मिलान किया जाएगा ।

16. लागत अंतरों का समायोजन :

जहां कंपनी मानक लागत जैसे वास्तविक आंकड़ों से भिन्न लागत अभिलेख किसी आधार पर रखती है, वहां कंपनी, द्वारा ऐसी पद्धति के अधीन कंपनी द्वारा क्रिया कलापों और सेवाओं की लागत की संगणना के लिए अनुसरित प्रक्रिया अभिलेख में उपदर्शित की जाएगी । लागत अंतरों को पृथक् शीर्षों के सामने दर्शाया जाएगा और सामग्री, श्रम, उपरिव्यय और मात्रा में टूट-फूट, मूल्य और क्षमता अंतरों को विश्लेषित किया जाएगा । क्रियाकलापों और सेवाओं की वास्तविक लागत के अवधारण में लागत अंतरों के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी । लागत अभिलेख या विवरण में अंतरों के कारणों को सम्यक् रूप से स्पष्ट किया जाएगा ।

17. सांख्यिकीय अभिलेख :

(1) विद्युत संयंत्र की स्थापति क्षमता, पीक लोड मांग (सामान्य/अधिकतम मांग), संयंत्र लोड फैक्टर (पी एल एफ) उत्पादित विद्युत, उत्पादन केन्द्र/उपकेन्द्रों पर/उपभोग की गई विद्युत, केन्द्रों/उपकेन्द्रों/सहायक केन्द्रों की संख्या, कैटिव उपभोग आदि, विभिन्न वोल्टेज जैसे एच वी, ई एच वी, एल वी, के अधीन विद्युत के पारेषण, पारेषण लाइनों की लम्बाई और उसके अंतर्भृत आने वाले क्षेत्र, विभिन्न सेक्टरों अर्थात् कृषि, उद्योग, वाणिज्यिक और घरेलू सैक्टर के अधीन आने वाले उपभोगता, प्रचालन संबंधी हानियों, पारेषण हानियों, उपलब्ध संयंत्र के घंटे और वास्तविक रूप में उपयोग की गई जन शक्ति, प्रति एम यू उत्पादित /पारेषित प्रतियूनिट 1000 उपभोगताओं को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । मशीनों और/या संयंत्रों के निष्कार्य समय, औसत आवृत्तियों की संगणना, प्रदाय की गई विद्युत के ब्यारों, विभिन्न उपभोगताओं के लिए टैरिफ रेट संरचना आदि की बाबत उपयुक्त अभिलेख रखा जाएगा और उसका विश्लेषण भी किया जाएगा ।

(2) निर्देशाधीन क्रियाकलापों तथा अन्य उत्पादों और क्रियाकलापों के लिए लगाई गई पूँजी, शुद्ध निश्चित आस्तियों और कामकाजी पूँजी का पता लगाने की बाबत कंपनी को समर्थ बनाने के लिए पृथक् रूप से यथोचित अभिलेख रखे जाएंगे । निर्देशाधीन क्रियाकलाप के उत्पादन या प्रसंस्करण के लिए ऐसी निश्चित आस्तियों के नए विनिधान को जिसका उस वर्ष के दौरान अभिदाय नहीं किया गया है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा । इसके अतिरिक्त अभिलेखों में प्रतिस्थानी के रूप में जोड़ी गई आस्तियों और विद्यमान क्षमता को बढ़ाने के लिए जोड़ी गई आस्तियों को भी दर्शित किया जाएगा ।

(3) नियम 2 के अधीन क्रियाकलाप हेतु नई परियोजनाओं की दशा में, परियोजना रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न स्त्रोतों से इकट्ठी की गई निधियों, उनके उपयोग, प्रक्रमवार उपगत लागत और परियोजना की प्रगति को उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । लागत और लगे समय का कंपनी की सेवाओं /क्रियाकलापों और लाभदायिकता की लागत के प्रति निर्देश से विश्लेषण किया जाएगा ।

(4) जहां भी विश्व व्यापार संगठन के उपबंध लागू होते हैं । देशीय और विश्व बाजार में उत्पाद की प्रतियोगिता और विश्व व्यापार संगठन के उपबंधों से उद्भूत प्रतियोगिता के समाधात से उपगत व्ययों, यदि कोई हो, की पहचान करने के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे । विनिर्मित उत्पाद के बाजार अंश और देश में आयातित प्रतियोगी माल के कारण उस पर संभावित प्रभाव के यथोचित सांख्यिकीय अभिलेख भी रखे जाएंगे । इन अभिलेखों में अन्य बातों के साथ-साथ आयातों के कुल परिणाम आयातकों के मूल के देशों के नाम उपदर्शित होंगे और जिनमें ऐसे आनुभाविक साक्ष्य अंतर्विष्ट होंगे जो यह दर्शित कर सकें कि क्या ऐसे आयातों के उत्पाद के बाजार अंश को राशिपातन और प्रभावित करने वाले के रूप में समझा जा सकता है या नहीं । ऐसे समुचित अभिलेख भी रखे जाएंगे जिनमें ऐसे विस्तृत ब्यौरे होंगे जो यह दर्शाने के लिए आवश्यक हो कि उत्पाद की निर्यात कीमत ऐसी नहीं है कि गैट 94 के अनुच्छेद (iv) के अधीन प्रतिपाठन उपायों के बारे में विश्व व्यापार संगठन के उपबंध लागू करने पर आयात करने वाले देश में पाठन के रूप में समझा जा सके ।

18. कैपटिव उपयोग :

यदि विद्युत का उपयोग किसी कैपटिव उपयोग के लिए होता है तो स्वयं के उपयोग के लिए कंपनी के अन्य विभागों या यूनिटों को अंतरित और पक्षकारों से बाहर बेची गई विद्युत के प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । वे दर, जिन पर अंतरण प्रभावित होते हैं, केवल लागत पर होंगी ।

19. प्रदूषण नियंत्रण :

पर्यावरण संरक्षण के लिए कंपनी द्वारा अनेक उपायों जैसे बहिःस्राव उपचार, वायु, जल, राख के गड़डों और राख के ढेरों के प्रदूषण नियंत्रण आदि पर उपगत व्यय समुचित रूप से अभिलिखित किया जाना चाहिए ।

20. मानव संसाधनों का विकास :

कंपनी द्वारा मानव संसाधनों के विकास के क्रियाकलापों पर उपगत व्यय को अभिलिखित किया जाएगा ।

21. संबंधित पक्षकार संव्यवहार :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी को, जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है, जैसा कि नीचे परिभ्रान्ति किया गया है और विपर्येन किए गए संबंध पक्षकार संव्यवहारों, किए गए प्रदायों अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या वद्यनवंधों को दर्शित करते हुए अभिलेख स्खे जाएंगे—

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, संसाधित सामग्री, रसायनों और स्क्रैप आदि सहित अस्वीकृत माल का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शदात्री सेवाएं ;
- (ड) संयंत्र और मशीनरी सहित पूँजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) विद्युत के उत्पादन, पारेषण, वितरण और प्रदाय या निर्देशाधीन क्रियाकलापों से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में ऐसे उत्पादों या सेवाओं के लिए प्रभारित या संदत्त दरों को तय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का अधारण किया जा सके जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन क्रियाकलाप से है ।

(2) निम्नलिखित “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्तीयों के माध्यम से रिपोर्टर उद्यम को (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) नियंत्रित करते हैं या उसके द्वारा नियंत्रित होते हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टकर्ता उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधानकर्ता पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टकर्ता उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) ऐसे व्यक्ति जो ऐसे रिपोर्टकर्ता उद्यम में प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम और किसी ऐसे व्यक्ति के संबंधी के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ड) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति भवत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है । इसके अंतर्गत रिपोर्टकर्ता उद्यमों के निदेशकों अथवा प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्याधीन उद्यम जो रिपोर्टकर्ता उद्यम के साथ मुख्य प्रबंधन के सदस्य हैं ।

यद्यपि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” नहीं समझा जाएगा :—

(क) उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ड) में किसी बात के होते हुए भी वे दो कंपनियां केवल मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों के पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, वित्तरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम कारबाह का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ;

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे) ;

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;

(ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएँ ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं ।

स्पष्टीकरण—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

(क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय रिपोर्टगत अवधि के दौरान संबंधित समझा गया हो, एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालनकारी विनिश्चयों के करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो ;

(ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबंधित पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं ;

(ग) “नियंत्रण” से—

(i) किसी उद्यम की मतदान शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व ; या

(ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण ; या

(iii) मतदान शक्ति में सारथान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या कशर द्वारा निदेश देने की शक्ति ।

(घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण करना नहीं ;

(ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्टगत पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है ;

(च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक व्यवस्था अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को करने का वचनबंध करते हैं, जो संयुक्त नियंत्रण के अध्यधीन है ;

(छ) “संयुक्त नियंत्रण” से आर्थिक क्रियाकलापकी वित्तीय और प्रचालन नीतियों को शासित करने की शक्ति का संविदात्मक रूप से करार के अनुसार हिस्सा बाटना अभिप्रेत हैं जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके ;

(ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्टकर्ता उद्यम के क्रियाकलापों का नियोजन, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है ;

(झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त नातेदारी से संसक्त हो सकेंगे ;

(ञ) “नियत्री कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात् कोई नियत्री कंपनी अभिप्रेत है ;

(ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात् कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है ;

(ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियत्री कंपनी की समनुषंगी हैं ;

(ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है ।

कंपनी का नाम :

संयंत्र का नाम और पता :

(1) जल संग्रहण (2) जल उपचार (3) राख प्रबंधन संयंत्र (4) बहिःसाव उपचार आदि जैसी उपयोगिताओं की लागत को दर्शित करने वाला विवरण

I मात्रा संबंधी सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	चालू वर्ष (यूनिट)	पिछला वर्ष (यूनिट)
क 1.	स्थापित क्षमता		
2.	उत्पादित मात्रा		
3.	क्षमता का उपयोग %		
4.	पुनःचक्रित मात्रा		
5.	क्रय की गई मात्रा, यदि कोई हो		
6.	अन्य हानियों सहित स्व-उपभोग (विनिर्दिष्ट करें)		
7.	उपयोग किए गए शुद्ध यूनिट		
ख 1.	वर्ष/अवधि के अंत में सकल निश्चित आस्तियां (रु०/लाख)		
2.	वर्ष/अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित आस्तियां (रु०/लाख)		
3.	प्रारंभ होने की तारीख		

II लागत सूचना :

क्रम सं.	विशिष्टियां	मात्रा	दर (रुपए) यूनिट	प्रति	रकम (रुपए)	प्रति यूनिट लागत
					चालू (रुपए)	वर्ष (रुपए)
						पिछला वर्ष (रुपए)
क.1.	सामग्री (विनिर्दिष्ट करें)					
	(क)					
	(ख)					
	(ग)					
2.	उपयोगिताएं (विनिर्दिष्ट करें)					
	(क)					
	(ख)					
	(ग)					

3.	वेतन और मजदूरी					
4.	खपने वाला सामान और अतिरिक्त पुँजी					
5.	मरम्मत और अनुरक्षण					
6.	अवक्षयण					
7.	अन्य उपरिव्यय					
8.	योग					
9.	घटाए : मुजरे (यदि कोई हो)					
10.	शुद्ध योग					

ख. लागत केन्द्र/क्रियाकलाप पर प्रभाजित

i

ii

iii

iv

टिप्पण : 1. प्रत्येक मुख्य उपयोगिता के लिए पृथक्-पृथक् लागत पत्र तैयार किया जाएगा ।

2. यदि ऐसी किसी उपयोगिता या सेवा का जो कंपनी द्वारा विनिर्भूत की जाती है, विक्रय बाहरी पक्षकारों को किया जाता है तो संबंधित उपयोगिता के निर्माण की लागत में उचित मुजरा किया जाएगा ।

3 जो लागू न हो उन उपयोगिताओं /मदों का लोप करें ।

प्रोफर्मा 'ख'

कंपनी का नाम
संर्यात्र का नाम और पता:

कोयला, लिग्नाइट, गैस, नैपथ्य, ईधन, तेल, खोई या कोई अन्य प्राथमिक, या द्वितीयक पारम्परिक या गैर पारम्परिक ईधन के उपापन की लागत को दर्शित करने वाला विवरण

क्रम सं.	विशिष्टियां	मात्रा	दर	रकम	लागत प्रति यूनिट
			रुपए प्रति यूनिट	रुपए	चालू वर्ष (रुपए) पूर्व वर्ष (रुपए)
1.	क्रय (क) किया गया कुल क्रय (ख) घटाएं : सूख अभिवहन में हानि आदि के लिए कटौती (ग) गेट पर प्राप्ति का शुद्ध भार				
2	अन्य आनुषांगिक प्रभार (क) संदत्त कमीशन/दलाली (ख) लदाई और उतराई (ग) कर और उद्ग्रहण (घ) परिवहन प्रभार (ङ) अन्य, यदि कोई हो, (विनिर्दिष्ट करें) (च) उप योग				
3	योग 1(ग) + 2(घ)				
ख	अपने स्वयं या पट्टे पर ली गई भूमि/कंपनियों से उपाप्त ईधन				
1.	भूमि/कंपनियों में आरंभिक अतिशेष				
2.	वर्ष के दौरान उपापन और संबंधित व्यय (क) स्वामिस्य (ख) भंडारण (ग) संग्रहण केन्द्रों पर व्यय (विनिर्दिष्ट करें) (घ) भूमि विकास व्ययों का अंश, यदि कोई हो (ङ) उप योग				
3.	घटाएं : सूखा, आग, चोरी आदि के व्यय				
4.	घटाएं : अंतिम स्टाक				
5.	कारखाने गेट पर अंतरणीय कुल मात्रा				
6.	अन्य आनुषांगिक प्रभार (क) लदाई और उतराई (ख) परिवहन प्रभार (ग) अन्य, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)				

उप योग						
7.	कारखाने के गेट पर कुल मात्रा/लागत (5+6)					
ग	योग (क3 + ख7)					
घ	भंडारण से निर्गमों की लागत					
1.	भंडारण में आरंभिक अतिशेष					
2.	गेट से अंतरित, (उपरोक्त मद ग)					
3.	उप योग (1 +2)					
4.	घटाएँ : भंडारण पर सूख और अन्य हानियों के लिए कटौती					
5.	घटाएँ : अंतिम अतिशेष					
6.	प्रोफार्मा 'ग' में अंतरित कुल मात्रा की लागत					

टिप्पणी:

- विभिन्न प्रकार की सामग्रियों/ईधनों, जैसे कोयला, लिग्नाइट, गैस, नैफ्था, खोई आदि के लिए पृथक लागत विवरण तैयार किया जाएगा।
- जो मद लागू न हो उसे काट दें
- जहां कंपनी की कोयला, लिग्नाइट आदि का उत्पादन करने के लिए स्वयं की सुविधाएँ/खाने हों यहां ऐसी सामग्री निकालने की लागत उपयोगिताओं के लिए विहित प्रोफार्मा 'क' का उपयोग करते हुए विस्तार में निकाली जाएगी।

कंपनी का नाम
उत्पादन करने वाली इकाई का नाम और पता

वर्ष/अवधि के दौरान विद्युत के उत्पादन (तापीय/जल विद्युत/गैस टरबाइन/ परमाणु ऊर्जा आदि) की लागत दर्शित करने वाला विवरण्

I मात्रा संबंधी सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	यूनिट	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क 1	स्थापित क्षमता			
2	पी पी ए के अधीन क्रय की जाने वाली न्यूनतम विद्युत			
3	योजनाबद्ध बहिरंश			
4	बलात बहिरंश			
5	संयंत्र की उपलब्धता			
6	बैंकिंग डाउन के कारण हानि			
7	आरक्षित बहिरंश			
8	आंशिक अनउपलब्धता का कारण			
9	उत्पादित विद्युत			
10	संयंत्र लोड कारक			
11	अतिरिक्त विद्युत खपत			
12	कर्मचारियों और कार्यालय को निःशुल्क प्रदाय, यदि कोई हो			
13	कुल उत्पादित विद्युत			
14	क्रय की गई अतिरिक्त विद्युत, यदि कोई हो			
15	पारेषण के लिए उपलब्ध विद्युत			
16	स्टेशन हीट रेट (केसीए एल/के उम्लू एच)			
ख 1	वर्ष/अवधि के अंत में सकल निश्चित आस्तियां (रुपए/लाख)			
2.	वर्ष/अवधि के अंत में कुल नियत आस्तियां (रुपए/लाख)			
3	प्रारंभ की तारीख			

II लागत शुल्क

क्रम सं.	विशेषित्यां	उपयोग किए गए ईधन की मात्रा और ऊष्मीय मूल्य	दर	रकम	प्रति यूनिट लागत (रुपए/के उल्लंघन)	
			(रुपए प्रति यूनिट)	(रुपए)	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	सामग्री/ईधन लागत (क) कोयला (ख) लिगनाइट (ग) नैफथा/तेल (घ) गैस (छ) खाइ (च) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (छ) कुल ईधन लागत					
2.	उपयोगिताएं, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)					
3.	प्रत्यक्ष मजदूरी और वेतन,					
4.	खपने वाला सामान और पुर्जे					
5.	मरम्मत और अनुरक्षण (क) भवन (ख) संयंत्र और मशीनरी (ग) अन्य, यदि कोई हो					
6.	बीमा					
7.	अवधायण					
8.	पट्टे का किराया, यदि कोई हो					
9.	राख प्रबंधन					
10.	स्वामित्व या तकनीकी व्यवहारिक ज्ञान शुल्क, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)					
11.	अनुसंधान और विकास					
12.	अन्य संयंत्र उपरिव्यय					
13.	प्रशासनिक उपरिव्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) योग (क + ख)					
14.	योग (1 से 13)					
15.	घटाएँ : मुजरा, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)					
16.	उत्पादन लागत (क) निश्चित लागत (ख) परिवर्ती लागत					
17.	विक्रय व्यय, यदि कोई हो					

18.	विक्रय की लागत					
19.	व्याज और प्रभार (क) विनिर्माण क्रिया कलाप के लिए (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) उप योग					
20.	प्रोफार्मा 'घ' में अंतरित उत्पादन की कुल लागत (विद्युत शुल्क और अन्य कानूनी उद्ग्रहणों को छोड़कर)					
21.	जोड़ : विद्युत बोर्ड आदि द्वारा विद्युत की न्यूनतम खरीद की मात्रा में कमी					
22.	योग (20 +21)					
23.	यदि विक्रय किया गया हो तो विक्रय से प्राप्ति (विद्युत शुल्क और अन्य कानूनी उद्ग्रहणों को छोड़कर)					
24.	अंतर (23-22)					

टिप्पणी:

- प्रत्येक प्रकार के उत्पादन अर्थात् जल विद्युत, तापीय, परमाणु-ऊर्जा के लिए पृथक संयंत्र वार/ईकाइवार प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा ।
- कैटिव खपत के लिए प्रयुक्त विद्युत, देश के भीतर बेची गई विद्युत और निर्यात की गई विद्युत के लिए पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा । निर्यात पर उपगत व्ययों के और उन पर अर्जित प्रोत्साहन उत्पादित और निर्यातित मात्रा को लागू प्रोफार्मा में उपदर्शित किया जाएगा ।
- अनुसूची के पैरा 21 में वर्णित संबद्ध पक्षकार संव्यवहारों की बाबत पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा ।
- प्रति यूनिट लागत की संगणना उत्पादित विद्युत की कुल यूनिटों के प्रति निर्देश से की जाएगी ।
- जो मद लागू न हो उसे काट दें ।

प्रोफार्मा 'घ'

कंपनी का नाम

पारेषण करने वाली ईकाई का नाम और पता

वर्ष/अवधि के दौरान पारेषण/वितरण की लागत को दर्शित करने वाला विवरण्

I मात्रा संबंधी सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	यूनिट	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क 1	स्थापित क्षमता			
2.	क्रय की गई विद्युत सहित, यदि कोई हो, उत्पादन ईकाईयों से प्राप्त विद्युत			
3.	पारेषण/वितरण में हानि			
4.	कर्मचारियों और कार्यालय के लिए स्वज्ञपण्योग			
5.	पारेषित/वितरित कुल विद्युत			
6.	पारेषण/वितरण लाइनों की लंबाई			
ख.1	वर्ष/अवधि के अंत में सकल नियत आस्तियां (रूपए/लाख)			
2...	वर्ष/अवधि के अंत में शुद्ध नियत आस्तियां (रूपए/लाख)			
3.	प्रारंभ की तारीख			

II लागत सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	मात्रा	दर		प्रति यूनिट लागत	
			(रूपए प्रति यूनिट)	(रूपए)	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	विद्युत की लागत (क) प्रोफार्मा 'ग' से अतरित स्व उत्पादित (ख) क्रय की गई <ol style="list-style-type: none">तापीयजल विद्युतपरमाणु आदि (ग) उप योग					
2.	उपयोगिताएं, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)					
3.	प्रत्यक्ष मजदूरी और वेतन					
4.	खपने वाला सामान और पुर्जे					
5.	मरम्मत और अनुस्खण (क) उप केन्द्र (ख) पारेषण लाइनें					

6	बीमा					
7	अवक्षयण					
8	पट्टा किसाया, यदि कोई हो					
9	स्वामिस्व या तकनीकी व्यवहारिक ज्ञान शुल्क, यदि कोई हो, (विनिर्दिष्ट करें)					
10	अनुसंधान और डिफास					
11	अन्य संयत्र उपरिव्यय					
12	प्रशासनिक उपचित्रण (क) वेतन भेंग अनुचूरी (ख) अन्य (प्राप्ति, उदाहरण करें) (ग) उप योग (नि-व्यव)					
13	योग (1 से 12)					
14	घटाएँ: मुजरा, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)					
15	पारेषण/वितरण की लागत					
16	विक्रय व्यय, यदि कोई हो					
17	विक्रय की लागत					
18	व्याज और वित्तीय प्रभार (क) विनिर्माण किया कलाप के लिए (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) उप योग					
19	प्रोफार्मा (डी) में अंतरित पारेषण /वितरण की कुल लागत					
20	यदि विक्रय की गई है तो विक्रय से प्राप्ति (विद्युत शुल्क और अन्य कानूनी उद्ग्रहणों को छोड़कर, यदि कोई हो)					
21	अंतर (20-19)					
22	जोड़े: निर्यात फायदे और प्रोत्साहन, यदि कोई हो					
23	कुल अंतर (21 +22)					

टिप्पण:

- पारेषण की लागत और वितरण की लागत की गणना करने के लिए पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा ।
- पारेषण की लागत की गणना करने के लिए प्रयुक्त किए गए प्रोफार्मा को डी-1 कहा जाएगा और प्रत्येक मुख्य परिक्षेत्रों/क्षेत्रों के लिए तैयार किया जाएगा ।
- उपरोक्त प्रोफार्मा को उपयुक्त रूप से उपांतरित करने के पश्चात् वितरण की लागत की गणना करने के लिए प्रयुक्त प्रोफार्मा डी-2 कहा जाएगा और प्रत्येक मुख्य परिक्षेत्रों और /क्षेत्रों के लिए वोल्टेज वार तैयार किया जाएगा ।
- कैटिव उपभोग के लिए प्रयुक्त विद्युत देश के भीतर बेची गई विद्युत और निर्यात की गई विद्युत का पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा । निर्यात पर उपगत व्ययों और उन पर अर्जित प्रोत्साहन को उत्पादित और निर्यातित मात्रा के लिए लागू प्रोफार्मा में उपदर्शित किया जाएगा ।
- अनुसूची 1 के पेश 21 में निर्दिष्ट संबद्ध पक्षकार संव्यवहारों की बाबत पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा ।
- यदि कपनी पारेषण के लिए छीलिंग व्यवस्था करती है तो आवश्यक संदाय/प्राप्ति को इस प्रोफार्मा के अधीन पृथक मद के रूप में अभिलिखित किया जा सकेगा ।
- जो लागू न हो उन मदों को निकाल दें

प्रोफार्मा 'घ'

कंपनी का नाम
प्रदायकर्ता इकाई का नाम और पता

वर्ष/अवधि के दौरान प्रदाय की लागत(उपभोक्ता सेवा और बिल तैयार करना आदि) को दर्शित करने वाला विवरण

I मात्रा संबंधी सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क 1	स्थापित क्षमता		
2.	प्राप्त विद्युत		
3.	प्रदाय की गई विद्युत (क) घरेलू (ख) वाणिज्यिक (ग) औद्योगिक (घ) सार्वजनिक प्रकाश (ङ) कृषि (च) अन्य योग (क से च)	उपभोक्ताओं की संख्या	यूनिट
4.	हानियां		
5.	इसके अंतर्गत आने के लिए क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर)		
ख. 1	वर्ष/अवधि के अंत में सकल नियत आस्तियां (रुपए/लाख)		
2.	वर्ष/अवधि के अंत में कुल नियत आस्तियां (रुपए/लाख)		
3.	प्रारंभ की तारीख		

II लागत सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	मात्रा	प्रति यूनिट लागत			
			(रुपए प्रति यूनिट)	(रुपए)	चालू वर्ष (रुपए)	पूर्व वर्ष (रुपए)
1.	विद्युत की लागत (क) प्रोफार्मा 'घ' से अंतरित (ख) क्रय की गई ¹ (ग) उप योग					
2	मजदूरी और वेतन: (क) लाइनों का अनुरक्षण (ख) मीटर पठन सहित बिल तैयार करना					

	(ग) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) उप योग (क से ग)					
3.	खपने वाला सामान और पुर्जे					
4.	सर्विसिंग और संविदा कार्य					
5	बीमा					
6	अवक्षयण					
7	पट्टा किराया, यदि कोई हो					
8	अन्य प्रदाय उपरिव्यय					
9	प्रशासनिक उपरिव्यय: (क) वेतन और मजदूरी (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) उप योग					
10.	योग (1 से 8)					
11.	विक्रय व्यय					
12.	ब्याज (उपभोक्ता निष्कोपों पर ब्याज की दर)					
13	विक्रय की कुल लागत					
14.	विक्रय से प्राप्ति					
15	अंतर (14-13)					
16.	औसत विक्रय प्राप्ति (क) घरेलू (ख) वाणिज्यिक (ग) औद्योगिक (घ) सार्वजिक प्रकाश (ङ.) कृषि (च) अन्य					

टिप्पणी:

- मुख्य परिक्षेत्रों/क्षेत्रों को प्रदाय की लागत की गणना करने के लिए वोल्टेज वार पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा ।
- जो लागू न हो उन मदों को निकाल दें ।

प्रोफार्मा च

कंपनी का नाम

वर्ष/अवधि के दौरान नियम 2 के अधीन आने वाले क्रिया कलापों और अन्य क्रियाकलापों के बीच कंपनी के कुल व्ययों/आय के आंबंटन/प्रभाजन को दर्शित करने वाला विवरण

क्रम सं	विशिष्टियां	वास्तिक कुल व्यय	नियम 2 के अधीन आने वाले क्रिया कलापों को लागू शेयर				अन्य क्रिया कलापों को लागू शेयर	आंबंटन का आधार
1.	सामग्री/ईधन (विनिर्दिष्ट करें)		उत्पादन	पारेषण	वितरण	प्रदय/ विलिंग		
2.	प्रसंस्करण सामग्री और रसायन							
3.	उपयोगिताओं, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)							
4.	मजदूरी और वेतन							
5.	खपने वाला सामान और पुर्जे							
6.	मरम्मत और अनुरक्षण							
7.	शीमा							
8.	अवक्षयण							
9.	पटटा किराया							
10	सामिस्व और तकनीकी वावहारिक ज्ञान, फीस यदि कोई हो							
11	अनुसंधान और विकास							
12	संकर्म उपरिव्यय							
13	प्रशासनिक उपरिव्यय							
14	योग (1 से 13)							
	(क) नियत							
	(ख) परिवर्ती							
15	स्टाक समायोजन (यदि कोई हो)							
16	घटाएँ : मुजरे, यदि कोई हो							
17	स्व उपभोग, यदि कोई हो							
18	ब्याज प्रभार							
19	विक्रय व्यय							
20	जोड़ेः लागत में सम्मिलित न होने वाले कोई अन्य व्यय							
21	घटाएँ : लागत में विद्यार में न लिए गए कोई अन्य आय							
22	कुल विक्रय लागत (विद्युत शुल्क और अन्य कानूनी उद्ग्रहणों को छोड़कर यदि कोई हो)							
23	विक्रय प्राप्तियां (विद्युत शुल्क और अन्य कानूनी उद्ग्रहणों को छोड़कर यदि कोई हो)							
24	अंतर (23-22)							

25	जोड़े नियंत फायदे और प्राप्तसाहन, यदि कोई हो							
26.	कुल अंतर (24 + 25)							

टिप्पणः

- इस प्रोफार्मा में आय और व्यय की सभी मदों को सुसंगत अवधि/वर्ष के लिए वित्तीय लेखाओं में मिला लिया जाएगा ।
- जो लागू न हो उन मदों को काट दें ।

[फा. सं. 52/13/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, मंत्रीका सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st December, 2001

G.S.R. 913(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. **Short title and commencement .-**

- (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (**Electricity Industry**) Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application .-** These rules shall apply to every company engaged in any of the following activities, namely :-

(1) Generation of electricity from:-

- thermal power
- gas turbine
- hydro-electric power
- atomic power
- solar power
- wind power
- any other source of energy;

(2) Transmission and bulk supply of electricity;

(3) Distribution and retail supply of electricity :

Provided that these rules shall not apply to a company,-

- the aggregate value of the machinery and plant installed wherein, as on the last date of the preceding financial year, does not exceed the limits as specified for a small scale industrial undertaking under the provisions of Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951); and
- the aggregate value of the turnover made by the company from sale or supply of all its products or activities during the preceding financial year does not exceed ten crores of rupees.

3. Maintenance of records .— (1) Every company to which these rules apply shall, in respect of each of its **financial year commencing on or after the commencement of these rules**, keep proper books of account relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to any of the activities referred to in rule 2. The books of account, so maintained, shall contain, *inter-alia*, the particulars specified in the Schedule annexed to these rules and Proformae A, B C, D, E and F mentioned in the said Schedule :

Provided that if the said company is manufacturing any other product(s) or is engaged in other activities in addition to generation, transmission, distribution and supply of electricity, the particulars relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to such other products or activities shall not be included in the cost of the activities referred to in rule 2.

(2) The books of account referred to in sub-rule (1) shall be kept on a regular basis in such a manner as to make it possible to calculate the cost of each activity referred to in rule 2 for every financial year from the particulars entered therein. Every such book of account and the proformae specified in the said Schedule, shall be completed not later than ninety days from the close of the financial year of the company to which it relates.

(3) The statistical and other records shall be maintained in accordance with the provisions of the Schedule to these rules in such a manner as to enable the company to exercise, as far as possible, control over the various operations and costs with a view to achieve optimum economies in cost. These records shall also provide the necessary data required by the Cost Auditor to suitably report on all the points referred to in the Cost Audit (Report) Rules, 1996 as amended from time to time.

(4) It shall be the duty of every person, referred to in sub-section (6) and (7) of section 209 of the companies Act, 1956 (1 of 1956), to take all reasonable steps to secure compliance by the company with the provisions of sub-rules (1),(2)and (3) of this rule in the same manner as he is liable to maintain accounts required under sub-section (1) of section 209 of the said Act.

4. Penalty .— If a company contravenes the provisions of rule 3, the company and every officer thereof who is in default, including the persons referred to in sub-rule (4) of rule 3 shall, subject to provisions of section 209 of Companies Act,1956 (1 of 1956) be punishable with fine which may extend to five thousand rupees and where the contravention is a continuing one, with a further fine which may extend to five hundred rupees for every day, after the first day during which such contravention continues.

SCHEDULE
[See rule 3]

1. MATERIALS:

(1) The proper records shall be maintained showing all receipts, issues and balances both in quantities and values of all major fuel such as coal, lignite, gas, naphtha, bagasse alongwith their calorific values and other materials used in the generation, transmission, distribution or supply of electricity. These records shall contain such details so as to enable the company to determine the quantity and cost of receipt (including all direct charges upto the works in respect of major materials/fuels), issues and balances in quantity as well as value of each item of all such materials. The basis on which said cost of issue and consumption have been calculated shall be indicated in the cost records and followed consistently. The records shall indicate quantity and expenses incurred for loading and unloading, transport, handling, grinding charges etc. The quantity and cost of transportation of material by different modes of transportation viz. road, conveyer, rail, pipeline, rope way etc shall be indicated separately. In the case of imported materials/fuels proper records of quantity and value shall be maintained for each item showing FOB value, overseas freight, insurance, customs duty, clearing charges, inland freight etc. If both indigenous and imported materials are consumed, the records showing details of percentage mix of the same, have to be maintained for each item. In the case of imported materials, proper records shall also be maintained showing license-wise allowed quantities, actual quantities imported, actual quantities consumed, quantities in stock and quantities yet to be imported out of total licensed quantities.

(2) Where any material such as coal, lignite etc are used from mines owned or leased by the company or by its wholly owned subsidiary, separate records showing the cost of raising such materials shall be maintained in such details as may enable the company to fill up particulars in proforma 'B' or any other proforma as thereto practicable.

(3) The proper records shall be maintained showing the receipts, issues and balances both in quantity and value of each item of consumable stores (station stores), small tools and other materials required for any of the activities referred to in rule 2. The value shown shall include all direct charges up to works whenever specifically incurred. In the case of consumable stores, the value of which are not significant, the company may, if so desires, maintain such records for the main group of such items. The value of consumable stores, consumed for the power system shall be charged to the relevant head of accounts.

(4) The proper records shall be maintained showing the quantity and value of wastage, spoilage, rejections and losses of input materials/fuels and consumable stores whether in transit, storage, operation or at any other stage. The method followed for adjusting the above losses as well as income derived from the

disposal of rejected and waste materials including spoilage, if any, in determining the cost of activities, shall be indicated in the cost records.

(5) The proper records shall also be maintained to indicate the value of materials which have not moved for more than twelve months for effective control of inventory.

(6) Where any credit under Central Value Added Tax (CENVAT) under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) or any other benefits of the nature of CENVAT credit, are received/receivable on any item of material and/or consumable stores or spares, the cost of such material and/or consumable stores/spares should be shown after adjusting such credit or benefits.

2. SALARIES AND WAGES:

(1) The proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees function-wise or activity-wise and the works on which they are employed. The records shall also indicate the following separately for each such function or activity:

- (a) piece rate wages (wherever applicable);
- (b) incentive wages, either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output;
- (c) overtime wages;
- (d) earnings of casual or contractual labour;
- (e) bonus or gratuity, statutory as well as other;
- (f) contribution to superannuation scheme; and
- (g) any other earnings of the nature specified in (a) to (f) above.

(2) The records shall be maintained in such a manner as to enable the company to furnish necessary particulars under this head in Proformae A, B, C, D, E and F of Schedule I annexed to these rules. The records may be maintained to book these expenses function-wise or activity-wise. Where the employees work in such a manner that it is not possible to identify them with any specific function or activity, the employees cost shall be apportioned to the functions or activities on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(3) The idle labour cost, other than due to backing down demand from customers, shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefor. The method of accounting followed for accounting of idle time payments shall be disclosed in the cost records.

(4) Any wages and salaries allocable to capital works, such as, additions to plant and machinery, buildings or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads. Similarly, payments in the nature of deferred revenue expenditure shall be separately recorded under separate classified headings indicating the reasons therefor. The method followed for accounting of such payments in determining the cost of the product or service shall be on equitable

and reasonable basis and applied consistently. The said method shall be disclosed in the cost records also.

(5) The cost of termination benefits payable to employees shall be recorded under separate head. The method followed for such cost in determining the cost of the electricity generated, transmitted or distributed shall be on equitable and reasonable basis, applied consistently and disclosed separately. Only the termination benefits say in respect of voluntary retirement scheme, which are payable in addition to the normal retirement benefits and that are likely to provide benefits in terms of savings in cost in future shall be treated as deferred revenue expenditure over a period not exceeding five years. These costs shall not form part of salaries and wages and shall be shown separately. Such costs shall be excluded from valuation of inventories since these do not result in putting the inventories to their present location and condition.

3. SERVICE DEPARTMENT EXPENSES:

The proper records shall be maintained to indicate expenses incurred in respect of each service department or function like laboratory, welfare measures, safety implementation, transport, dispensary, school, crèche, township etc. These expenses shall be apportioned to other services and power activities on equitable and reasonable basis and applied consistently. Where these services are utilized for other products or activities of the company also, the basis of apportionment of such expenses to other products or activities shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

4. UTILITIES:

- (1) The proper records showing quantity and cost of water collection, water treatment, ash handling, effluent treatment etc. shall be maintained by the company for the activities under reference.
- (2) The cost statements for each utility shall be maintained separately in respect of each such utility in Proforma 'A'.

5. WORKSHOP OR REPAIRS AND MAINTENANCE OR TOOL ROOMS:

(1) The proper records showing the expenditure incurred by the workshop or tool room under different heads and on repairs and maintenance shall be maintained function-wise or activity-wise. The amount incurred on schedule/annual maintenance shall be separately recorded under the head preventive maintenance. The records shall also indicate the basis of charging the workshop or tool room or repairs and maintenance expenses to different activities. Where maintenance work is done by direct workers of any of the generation, transmission, distribution & supply department, the wages and salaries of such workers shall be treated as direct expenses of the respective function or department. If the services are utilized for other products or activities also, the

manner of charging a share to such products or activities shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(2) The records shall also indicate the quantity and amount and also the proportion of closing inventories of stores and spare parts representing items which have not moved for over twenty four months.

(3) The expenditure on major repair work from which benefit is likely to accrue for more than one financial year shall be allocated over the period expected to benefit on equitable and reasonable basis and applied consistently. Such costs shall be shown separately and the method of accounting alongwith the basis of allocation of such costs shall also be clearly indicated in cost records.

6. FIXED ASSETS AND DEPRECIATION:

(1) The proper and adequate records shall be maintained for assets used for each of the activities under reference in respect of which depreciation has to be provided for. These records shall inter-alia, indicate the cost of acquisition of each item of asset including installation charges, date of acquisition and rate of depreciation.

(2) Also such records as will enable to identify and/or allocate gross fixed assets, accumulated depreciation upto the year and net fixed assets under the heads; land and building, plant and machinery, furniture and fixtures etc. employed for the production of activities under reference alongwith the method and rate of depreciation shall be maintained. The basis of apportionment of common assets to the product(s) under reference shall also be indicated. In case of revaluation of assets, the same shall be indicated separately. The basis of allocation of indirect assets to the products under reference shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(3) The basis on which depreciation is calculated and allocated or apportioned to various cost centres or activities and absorbed on such activities shall be clearly indicated in the cost records. If depreciation charged or chargeable to the cost centres or departments is in excess or lower than the depreciation prescribed and applicable to the company under the Electricity (Supply) Act, 1948 or under the provisions of sub-section (2) of Section 205 of the Companies Act, 1956, as the case may be, such amount of excess or lower depreciation shall be indicated clearly in the cost records. The cost records shall also show the effect of such excess or lower depreciation, as the case may be, on the per unit cost of activity. The cumulative depreciation charged in the cost records, against any individual item of asset shall not, however, exceed the original cost of the respective asset.

7. LEASING CHARGES:

In the case of leasing arrangements, proper record shall be maintained showing details of terms and conditions, leasing charges paid or payable as well as received or receivable.

8. OTHER OVERHEADS:

(1) The proper records shall be maintained for the activities under reference showing the various items of expenses comprising the other overheads. These expenses shall be analyzed, classified and grouped according to functions, namely, operation, administration and sales for each activity under reference.

(2) Where the company is manufacturing products other than the products or activities under reference, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of the common overheads including head office expenses of the company to such products and to power activities including capital works. Where certain expenses forming part of overheads can be identified with a particular activity or a product, such expenses shall be first segregated and charged to the relevant activity or product and thereafter the residual expenses under the above categories of overheads shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently. The overheads chargeable to capital works shall be indicated separately in the cost records. The basis of apportionment or absorption of overheads to the cost centres or activities and the products shall be indicated in the cost records. The Records shall be maintained in such a manner as to indicate the details of operation, administration and sales overheads.

9. ROYALTY OR TECHNICAL KNOW-HOW FEE :

The adequate records shall be maintained showing royalty and/or technical know-how fee including other recurring or non-recurring payments of similar nature if any, made for the activities under reference to collaborators or technology suppliers in terms of agreements entered into with them. Such records shall be kept separately in respect of each such collaborator or supplier. The basis of charging such amount, including lump sum payment and its treatment shall be indicated in the cost records.

10. RESEARCH AND DEVELOPMENT EXPENSES:

(1) The proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company on the research and development work of the activities covered under these rules shall be maintained.

(2) The method of charging these expenses to the cost of activities under reference and all other products or activities shall be indicated in the cost records. Where the utility of such research and development work extends over more than one financial year, such expenses shall be treated as deferred revenue expenses and charged to the cost of activities under reference and all other products if any, on equitable and reasonable basis and applied consistently. The detailed criteria on which it has been decided to extend the utility period of these expenses to more than one financial year shall be disclosed in the cost records. The following criteria, which are only indicative and not exhaustive, may be adopted in such cases :

- (i) the output or process is clearly defined and the costs attributable to the output or process can be separately identified;
- (ii) the technical feasibility of the output or process has been demonstrated;
- (iii) the management of the enterprise has indicated its intention to produce and market or use the output or process;
- (iv) there is a reasonable indication that current and future research and development costs to be incurred on the project together with expected production, administrative and selling costs are likely to be more than covered by related future revenues or benefits; and
- (v) adequate resources exist or are reasonably expected to be available to complete the project and market the output or process.

(3) The expenses incurred by the Research and Development Department for providing technical know-how to outsiders shall be recorded separately and excluded from the cost of activities under reference. The amount recovered for providing technical know-how to outsiders shall also be indicated separately and excluded from the income arising from the sale of outputs or activities under reference.

11. INTEREST:

The proper records shall be maintained for money borrowed for each project and/or working capital and interest charges thereon. The amount of interest shall be allocated or apportioned to the activities covered under these rules and other activities on equitable and reasonable basis and applied consistently. The basis of further charging of the share of the interest to the various types of such activities shall also be equitable and reasonable and applied consistently. The basis of such allocation or apportionment shall be spelt out clearly in the cost records and statements. Net interest incurred on borrowed money or outlays for projects under execution, shall be capitalized for the period between the date of conceivement of the project and commencement of commercial activities.

12. EXPENSES OR INCENTIVES ON EXPORTS:

The proper records showing the expenses incurred on the export sales, if any, on the products or services under reference, shall be separately maintained so that the cost of export sales can be determined correctly. Separate cost statement shall be prepared for power exported giving details of export expenses incurred and incentive earned. In case, duty free imports of input materials are made, the cost statements should reflect this fact.

13. COST STATEMENTS:

(1) The cost statements showing details of installed capacity, generation, peak load and all elements of cost of the current financial year and previous year shall be prepared for each process and/or activity under reference in Proformae A, B, C, D, E and F.

(2) The activity emerging from a process, which forms input for a subsequent process, shall be valued at the cost upto the previous stage.

(3) If the company is operating more than one plant or factory, separate cost statements as specified above shall be prepared in respect of each plant or factory.

14. PRODUCTION RECORDS:

The quantitative records of each activity relating to generation, transmission, distribution and supply of electricity shall be maintained. The proper records shall also be maintained for backing down of generation and diversion of energy (DOE) recovery.

15. RECONCILIATION OF COST AND FINANCIAL ACCOUNTS:

(1) The cost statements shall be reconciled with the financial statements for the financial year specifically indicating the expenses or incomes not considered in the cost records or statements so as to ensure accuracy and to adjudge the profit of the activity under reference with the overall profit of the company. The variations, if any, shall be clearly indicated and explained.

(2) A statement showing the total expenses incurred and income received by the company under different heads of accounts and the share applicable to other the activities or services shall be prepared and reconciled with the financial statement.

16. ADJUSTMENT OF COST VARIANCES:

Where the company maintains cost records on any basis other than actual such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of the activities and services under such system. The cost variances shall be shown against the separate heads and analysed into material, labour, overheads and further segregated into quantity, price and efficiency variances. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the activities and services shall be indicated clearly in the cost records. The reasons for the variances shall be duly explained in the cost records and statements.

17. STATISTICAL RECORDS:

(1) The records regarding installed capacity of power plant, peak load demand (normal/maximum demand), plant load factor (PLF), power generated, power consumed at the generating station/sub-stations, number of stations/ sub-stations/auxiliaries, captive consumption, etc., transmission of power under different voltages, such as HV, EHV, LV, length of transmission lines, and area covered, consumer served under different sectors, viz. agriculture, industry, commercial and domestic sector, operational losses, transmission losses, plant

hours available, and actually utilized, man power per MU generated/transmitted/per 1000 consumer, shall be maintained. The suitable records for computation of idle time of machines and/or plants, average frequency, details of power supplied, tariff rate structure for different consumers, etc. shall also be maintained and analysed.

(2) The adequate records shall be maintained to enable the company to identify the capital employed, net fixed assets and working capital separately for different activities under reference and other products and activities. Fresh investments on fixed assets that have not contributed to the production or processing of activities under reference during the year shall be indicated in the cost records. The records shall, in addition, show assets added as replacement and those added for increasing existing capacity.

(3) In the case of new projects for activity under rule 2, proper records shall be maintained indicating the funds raised from different sources, their utilization, stage-wise cost incurred and progress of the project as per the project report. Cost and time over run shall also be analyzed with reference to the cost of services/activity and profitability of the company.

(4) Whenever WTO provisions are attracted, proper records shall be maintained to identify the competitiveness of the product in the domestic as well as global market and the expenses, if any, incurred to combat the competition arising out of WTO provisions. Adequate statistical records shall also be maintained to identify the market share of the product manufactured and the likely impact thereon on account of competitive goods imported in to the country. These records shall indicate, inter-alia, the total volume of imports, names of importers, countries of origin and contain such empirical evidence as to show whether such imports can be construed as dumping and affecting the market share of the product. Proper records shall also be maintained, containing such details as may be necessary to show that the export price of the product is not such as to be construed as dumping in the importing country, by applying the provisions of WTO regarding anti-dumping measures under Article VI of GATT 94.

18. CAPTIVE CONSUMPTION:

If power is used for captive consumption, proper records shall be maintained showing the quantity and cost of power transferred to other departments or units of the company for self-consumption and sold to outside parties. The rates at which the transfers are effected shall be at cost only.

19. POLLUTION CONTROL:

The Expenditure incurred by the company on various measures to protect the environment like effluent treatment, control of pollution of air, water, ash pond, ash mound, etc., should be properly recorded.

20. HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT:

Expenditure incurred by the company on the human resources development activity shall be recorded separately.

21. RELATED-PARTY TRANSACTIONS:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed "related party relationship" as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of:

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payments related to generation, transmission, distribution and supply of power or activity under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to activity under reference.

(2) The transactions by the following "related party relationships" shall be covered under sub-rule(1) :-

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as "related party relationships":-

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :- for the purpose of these rules, -

- (a) "**related party relationships**" means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) "**related party transaction**" means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) "**control**" means -
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) "**significant influence**" means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) "**associate**" means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;

- (f) "**joint venture**" means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) "**joint control**" means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) "**key management personnel**" means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) "**relative**" – in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) "**holding company**" means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956(1 of 1956);
- (k) "**subsidiary**" means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956(1 of 1956);
- (l) "**fellow subsidiary**" means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) "**state-controlled enterprise**" means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.

PROFORMA 'A'

Name of the company :

Name and address of the Plant :

Statement showing the **cost of utilities** like (1) Water collection, (2) Water treatment, (3) Ash handling plant, (4) Effluent treatment, etc. :**I Quantitative Information:**

Serial Number	Particulars	Unit	Current Year	Previous Year
A1.	Installed capacity			
2.	Quantity produced			
3.	Capacity utilization %			
4.	Quantity re-circulated			
5.	Quantity purchased, if any			
6.	Self-consumption including other losses (to be specified)			
7.	Net units consumed			
B1.	Gross fixed assets at the end of the year /period (Rs./Lakhs)			
2.	Net fixed assets at the end of the year/period (Rs./Lakhs)			
3.	Date of commissioning			

II Cost Information:

Serial Number	Particulars	Qua- ntity	Rate (Rupees per unit)	Amount (Rupees)	Cost per unit	
					Current Year (Rupees)	Previous Year (Rupees)
A 1.	Materials (specify) (a) (b) (c)					
2.	Utilities (specify) (a) (b) (c)					
3.	Wages and salaries					
4.	Consumable stores and					

	spares					
5.	Repairs and maintenance					
6.	Depreciation					
7.	Other overheads					
8.	Total					
9.	Less: Credits, if any					
10.	Net total					
B.	Apportioned to cost centre/ activity :					
	i.					
	ii.					
	iii.					
	iv. etc.					

Notes:-

1. Separate cost sheet is to be prepared for each major utility.
2. If any of the utility or service, which is manufactured by the company, is sold to outside parties, proper credit should be given in the cost of production of the respective utility.
3. Delete utilities/items not applicable.

PROFORMA 'B'

Name of the company :

Name and address of the plant :

Statement showing the cost of procurement of coal, lignite, gas, naphtha, fuel oil, bagasse or any other primary or secondary conventional or non-conventional fuel:

Serial Number	Particulars	Quantity	Rate Rupees per unit	Amount Rupees	Cost per unit	
					Current Year (Rupees)	Previous Year (Rupees)
A.	Purchase :					
1.	(a) Total purchased (b) Less: deduction for drage, loss in transit etc. (c) Net weight of receipt at the gate					
2.	Other incidental charges : (a) Commission/brokerage paid (b) Loading and unloading (c) Taxes and levies (d) Transportation charges (e) Others, if any (specify) (f) Sub total					
3.	Total 1(c) + 2(f)					
B.	Fuel procured from own/ leased land/companies					
1.	Opening balance in the land/ companies					
2.	Procurement during the year and the related expenses : (a) Royalty (b) Storage (c) Expenses at collection centres (specify) (d) Share of land development expenses, if any (e) Sub total					
3.	Less : expenses for drage, burning, pilferage etc.					
4.	Less : closing stock					
5.	Net quantity transferable to					

	factory gate					
6.	Other incidental charges : (a) Loading and unloading (b) Transportation charges (c) Others, if any (specify) Sub total					
7.	Total quantity/ cost at the factory gate (5+6)					;
C.	Total (A3+B7)					
D.	Cost of issues from storage :					
1.	Opening balance at storage					
2.	Transferred from gate (item C above)					
3.	Sub total (1+2)					
4.	Less : deduction for drage and other losses at storage					
5.	Less : closing balance					
6.	Cost of net quantity transferred to Proforma 'C'					

Notes:-

1. Separate cost statement shall be prepared for the different kind of materials/fuels such as coal, lignite, gas naphtha, bagasse etc.
2. Delete items not applicable.
3. Where the company has its own facilities/mines to produce coal, lignite, etc., cost of raising such material shall be worked out in detail using proforma 'A' prescribed for utilities.

Proforma 'C'

Name of the company :

Name and address of the Generating Unit :

Statement showing the **Cost of generation of Power** (Thermal/ Hydro-electric/Gas Turbine/ Atomic, etc.) during the year /period :**I Quantitative Information:**

Serial No.	Particulars	Unit	Current Year	Previous Year
A 1.	Installed capacity			
2.	Minimum power to be purchased under PPA			
3.	Planned outage			
4.	Forced outage			
5.	Plant availability			
6.	Loss due to backing down			
7.	Reserve outage			
8.	Partial unavailability factor			
9.	Power generated			
10.	Plant load factor			
11.	Auxiliary power consumption			
12.	Free supply, if any, to employees and office			
13.	Net power generated			
14.	Add power purchased, if any			
15.	Power available for transmission			
16.	Station Heat Rate (KCal/KWH)			
B 1.	Gross fixed assets at the end of the year/period (Rs./Lakhs)			
2.	Net fixed assets at the end of the year/period (Rs./Lakhs)			
3.	Date of commissioning			

II Cost Information:

Serial No.	Particulars	Quantity and calorific value of the fuel used	Rate	Amount	Cost per unit (Rs./KWH)	Current Year	Previous Year
			(Rupees per unit)	(Rupees)			
1.	Material/Fuel cost:						
	(a) Coal						
	(b) Lignite						
	(c) Naphtha / Oil						
	(d) Gas						
	(e) Bagasse						
	(f) Others (specify)						

	(g) Total fuel cost				
2.	Utilities, if any (specify)				
3.	Direct wages and salaries				
4.	Consumable stores and spares				
5.	Repairs and maintenance				
	(a) Building				
	(b) Plant and machinery				
	(c) Others, if any				
6.	Insurance				
7.	Depreciation				
8.	Lease rent, if any				
9.	Ash handling				
10.	Royalty or technical know-how fee, if any (specify)				
11.	Research and development				
12.	Other plant overheads				
13.	Administrative overhead				
	(a) Salaries and wages				
	(b) Others (specify)				
	(c) Total (a+b)				
14.	Total (1 to 13)				
15.	Less: Credits, if any (specify)				
16.	Cost of generation				
	(a) Fixed cost				
	(b) Variable cost				
17.	Selling expenses, if any				
18.	Cost of sales				
19.	Interest and finance charges :				
	(a) for manufacturing activity				
	(b) Others (specify)				
	(c) Sub total				
20.	Total cost of generation (excluding electricity duty and other statutory levies) transferred to Proforma 'D'				
21.	Add : Shortfall in minimum offtake quantity of power by Electricity Board, etc.				
22.	Total (20+21)				
23.	If sold, sales realisation (excluding electricity duty and other statutory levies)				
24.	Margin (23-22)				

Notes:-

- 1.- Separate plantwise/unitwise Proforma shall be prepared for each type of generation viz. Hydro-electric, Thermal, Atomic etc.

- 2.- Separate proforma shall be prepared for the power used for captive consumption, power sold within the country and the power exported. Expenses incurred on export and the incentive earned thereon shall be indicated in the proforma applicable for the quantity produced and exported.
- 3.- Separate proforma shall be prepared in respect of related party transactions referred to in para 21 of Schedule.
- 4.- Cost per unit shall be computed with reference to net units of power generated.
- 5.- Delete items not applicable.

Proforma 'D'**Name of the company :****Name and address of the transmitting unit :****Statement showing the cost of Transmission/Distribution during the year/period :****I Quantitative Information:**

Serial No.	Particulars	Unit	Current Year	Previous Year
A1.	Installed capacity			
2.	Power received from generating units including purchased, if any			
3.	Loss in transmission/distribution			
4.	Self consumption for employees and office			
5.	Net power transmitted/distributed			
6.	Length of transmission/Distribution lines			
B1.	Gross fixed assets at the end of the year/period (Rs./Lakhs)			
2.	Net fixed assets at the end of the year/period (Rs./Lakhs)			
3.	Date of commissioning			

II Cost Information:

Serial No.	Particulars	Quantity	Rate	Amount	Cost per unit	
			(Rupees per unit)	(Rupees)	Current Year (Rupees)	Previous Year (Rupees)
1.	Cost of power : (a) self generated transferred from Proforma 'C' (b) purchased - (i) Thermal (ii) Hydro-electric (iii) Atomic, etc. (c) sub total					
2.	Utilities, if any (specify)					
3.	Direct wages and salaries					
4.	Consumable stores and spares					
5.	Repairs and maintenance: (a) Sub-station (b) Transmission lines					
6.	Insurance					
7.	Depreciation					
8.	Lease rent, if any					

9.	Royalty or technical know-how fee, if any (specify)				
10.	Research and development				
11.	Other plant overheads				
12.	Administrative overheads : (a) Salaries and wages (b) Others (specify) (c) Sub total (a+b)				
13.	Total (1 to 12)				
14.	Less: Credits, if any (specify)				
15.	Cost of transmission/distribution				
16.	Selling expenses, if any				
17.	Cost of sales				
18.	Interest and finance charges : (a) for manufacturing activity (b) Others (specify) (c) Sub total				
19.	Total cost of transmission/ distribution transferred to Proforma 'E'				
20.	If sold, sales realisation (excluding electricity duty and other statutory levies, if any)				
21.	Margin (20 -19)				
22.	Add: Export benefits and incentives, if any				
23.	Total Margin (21 + 22)				

Notes:-

1. Separate proforma shall be prepared for working out cost of transmission and cost of distribution.
2. Proforma used for working out **cost of transmission** shall be named as D-I and shall be prepared for each major zones/areas.
3. Proforma used for working out **cost of distribution** after suitably modifying the above proforma, shall be named as D-II and shall be prepared voltage-wise for each major zones/areas.
4. Separate proforma shall be prepared for the power used for captive consumption, power sold within the country and the power exported. Expenses incurred on export and the incentive earned thereon shall be indicated in the proforma applicable for the quantity produced and exported.
5. Separate proforma shall be prepared in respect of related party transactions referred to in para 21 of Schedule.
6. If the company enters into a wheeling arrangement for transmission, necessary payment/receipt may be recorded as separate item under this proforma.
7. Delete items not applicable.

Proforma 'E'

Name of the company :

Name and address of the supplying unit :

Statement showing the cost of supply (consumer servicing and billing, etc.) during the year/period :

I. Quantitative Information:

Serial Number	Particulars	Current Year	Previous Year
A1.	Installed capacity		
2.	Power received		
3.	Power supplied : (a) Domestic (b) Commercial (c) Industrial (d) Public Lighting (e) Agriculture (f) Others Total (a to f)	Number of consumers	Unit
4.	Losses		
5.	Area covered (square KM)		
B1.	Gross fixed assets at the end of the year/period (Rs./Lakhs)		
2.	Net fixed assets at the end of the year/period (Rs./Lakhs)		
3.	Date of commissioning		

II. Cost Information:

Serial No.	Particulars	Qty	Rate (Rs. per unit)	Amount (Rupees)	Cost per unit	
					Current year (Rupees)	Previous Year (Rupees)
1.	Cost of Power : (a) transferred from Proforma 'D' (b) purchased (c) sub total					
2	Wages and salaries : (a) Maintenance of lines (b) Billing including meter reading (c) Others(specify) Sub total (a to c)					
3	Consumables stores and					

	spares					
4	Servicing and contract work					
5	Insurance					
6	Depreciation					
7	Lease rent, if any					
8	Other supply overheads					
9	Administrative overhead : (a) Salaries and wages (b) Others (specify) (c) Sub total					
10	Total (1 to 8)					
11	Selling expenses					
12	Interest (net of interest on consumer deposits)					
13	Total cost of sales					
14	Sales realization					
15	Margin (14-13)					
16	Average sale realization (a) Domestic (b) Commercial (c) Industrial (d) Public Lighting (e) Agriculture (f) others					

Notes:-

1. Separate proforma shall be prepared voltage-wise for working out cost of supply of major zones/areas.
2. Delete items not applicable.

PROFORMA 'F'

Name of the company :

Statement showing the **allocation/apportionment** of total expenses/ income of the company between activities covered under rule 2 and other activities during the year/period :

Serial No.	Particulars	Total actual expenses	Share applicable to activities covered under rule 2				Share applicable to other activities	Basis of allocation
			Generation	Transmission	Distribution	Supply/billing		
1.	Material/fuel (specify)							
2.	Process materials and chemicals							
3.	Utilities, if any (specify)							
4.	Wages and salaries							
5.	Consumable stores and spares							
6.	Repairs and maintenance							
7.	Insurance							
8.	Depreciation							
9.	Lease rent							
10.	Royalty and technical know-how fee, if any							
11.	Research and development							
12.	Works overheads							
13.	Administrative overheads							
14.	Total (1 to 13) (a) Fixed (b) Variable							
15.	Stock Adjustment, if any							
16.	Less : Credits, if any							
17.	Self Consumption, if any							
18.	Interest Charges							
19.	Selling expenses							
20.	Add : any other expenses not included in cost							
21.	Less : any other income not considered in cost							

22.	Total cost of sales (excluding electricity duty and other statutory levies, if any)							
23.	Sales realisation (excluding electricity duty and other statutory levies, if any)							
24.	Margin (23-22)							
25.	Add : Export benefits and incentives, if any							
26.	Total margin (24+25)							

Notes:-

1. All items of income and expenditure in this Proforma shall be reconciled with the financial accounts for the relevant period/year.
2. Delete items not applicable

[F. No. 52/13/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.